वार्षिक संगोष्ठी - 2019

देवीकंदन निमानंद महाविद्यालय, पुरंच, कटक

दिनांक : 23. 11. 2019
हिंदी विभाग

विषय : अनुवाद की समस्याएँ

डी. के. एस. कॉलेज पुरंच के हिंदी विभाग द्वारा दिनांक 23.11.2019 को वार्षिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया था। इसमें विषय विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित डॉ. स्नेहलता दासजी, हिंदी विभाग रमादेवी महिला वि. वि. भुवनेश्वर पधारी थीं। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रदीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ हुआ। महाविद्यालय के प्राचार्य श्रीयुत प्रभाकर साहु जी ने प्रदीप प्रज्वलन करके कार्यक्रम के शुभारंभ की घोषणा की। इस अवसर पर विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अमूल्य रत्न महांति और अध्यापिका मिनु दास मौजूद थे।

बीज वक्तव्य और विषय प्रवर्तन :

इस संगोष्ठी में विभाग के प्रमुख डॉ. अमूल्य रत्न महांति ने विषय प्रवर्तन करते हुए अनुवाद के क्षेत्र में क्या-क्या समस्याएँ हैं, उन पर अपना विचार केंद्रित रखा।

प्रथम सत्र :

विषय विशेषज्ञ के रूप में पधारीं डॉ. स्नेहलता दास ने कथेतर गद्य विधाओं के अनुवाद में होनेवाली समस्या और उसके समाधान पर अपना वक्तव्य रखा।

द्वितीय सत्र :

द्वितीय सत्र में अध्यापिका मिनु दास ने काव्यानुवाद की समस्याओं पर अपना कथन रखा और अनुवाद करते समय कैसे अनुवादक इससे निपट सकता है, उस ओर भी संकेत किया।

②

प्रस्ताव या सुझाव :

वक्ताओं ने अनुवाद करते समय इन बातों पर ध्यान देने की बात की।

⇒ साहित्यिक अनुवाद हमेशा भावानुवाद होना चाहिए।

⇒ शब्दानुवाद की सहायता तकनीकी साहित्य का अनुवाद करते समय लेने की जरूरत है।

⇒ साहित्यिक अनुवाद करते समय कुछ ऐसे शब्द आते हैं, जिनका अनुवाद नहीं किया जा सकता। ऐसी अननुवादनीयता की स्थिति में मूलशब्द को पादटिप्पणी के साथ उल्लेख करना चाहिए।

संगोष्ठी के अध्यक्ष प्राचार्य श्रीयुत प्रसन्न साहु जी ने अनुवाद संबंधी इस संगोष्ठी की काफी सराहना की। अपने अध्यक्षीय अभिभाषण देते हुए उन्होंने आज के युग को अनुवाद का युग कहा। अंत में विभाग की संगोष्ठी सचिव सुश्री लक्ष्मी बारिक ने सबको धन्यवाद दिया।

अमूल्य रत्न महांति
26.11.19

चिनु दास
26.11.19

विचार प्रस्तुत किया।

प्रस्ताव :
वक्ताओं ने जीवनी साहित्य पर केंद्रित इस संगोष्ठी में निम्नलिखित प्रस्ताव रखे।

⇒ महाविद्यालयों में स्नातक स्तर पर जीवन साहित्य का पठन-पाठन हो।

⇒ जीवनी की विश्वसनीयता पर बल हो।

⇒ जाति, वर्ग और सम्प्रदाय के आधार पर जीवनी साहित्य का विभाजन न हो।

संगोष्ठी के अध्यक्ष प्राचार्य श्रीयुत प्रभाकर साहुजीने जीवनी साहित्य की आवश्यकता को रेखांकित करते हुए सभी को महापुरुषों की जीवनी पढ़ने की सलाह दी। अंत में संगोष्ठी सचिव सुश्री प्रियंका सेनापति ने [redacted] उपस्थित सभी अध्यापक-अध्यापकों के प्रति अपना आभार व्यक्त किया।

अमूल्य रत्न महंति
15·12·21

चिनु दास
15·12·21

Principal
D.K.N. College
Erasama, Ersama

वार्षिक संगोष्ठी - 2022

देवी कंठन नित्यानंद महाविद्यालय, पुरंज, कटक

दिनांक : 09.12.2022
हिंदी विभाग

विषय : कथाकार प्रेमचंद

डी. के. एन. कॉलेज, पुरंज के हिंदी विभाग की ओर से दिनांक 09.12.2022 को वार्षिक संगोष्ठी का आयोजन हुआ था। इसमें विषय विशेषज्ञ के रूप में टिटलागढ़ (स्वशासी) कॉलेज, टिटलागढ़ के हिंदी अध्यापक डॉ. राहुल जैन जी शामिल थे। कार्यक्रम का प्रारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य श्रीयुत जतींद्र कुमार मिश्र जी के कर कमलों से दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। विभाग की छात्रा सुश्री स्मितिप्रज्ञा ने जगन्नाथाष्टकम का सुंदर पाठ किया। हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. अमूल्य रत्न महांति व अध्यापिका डॉ. मिनु दास इस समय मंच पर उपस्थित थे।

विषय प्रवर्तन :

विभागाध्यक्ष डॉ. अमूल्य रत्न महांति ने विषय प्रवर्तन करते हुए प्रेमचंद के कथाकार रूप की विस्तारपूर्वक चर्चा की। आज भी क्यों प्रेमचंद प्रासंगिक है, इस पर अपना विचार रखा।

प्रथम सत्र :

संगोष्ठी में विषय विशेषज्ञ के रूप में आये डॉ. राहुल जी जैन ने कथाकार प्रेमचंद के अनेक अनछुए पहलुओं को सबके सामने रखा। प्रेमचंद की प्रासंगिकता आज पहले से भी बहुत अधिक है, इस पर अपना मंतव्य रखा।

द्वितीय सत्र :

अध्यापिका मिनु दास ने द्वितीय सत्र में प्रेमचंद के कालजयी साहित्य की बात करते हुए गोदान

④

ने त्रिलोचन श्री विशेष रूप से स्त्री के केंद्र में रखा। कहानियों में कफन, बड़े घर की बेटी, अलग्योझा आदि को भी समकालीन समय में क्या प्रासंगिकता है, उस ओर संकेत किया।

प्रस्ताव :

कथाकार प्रेमचंद पर केंद्रित इस संगोष्ठी में वक्ताओं ने ये प्रस्ताव रखे।

⇒ जीवन में प्रेमचंद के साहित्य को पढ़ने के साथ-साथ उसे अपनाना चाहिए।

⇒ प्रेमचंद की ईमानदारी से सीख लेनी है।

⇒ कहानी या कथा से आज भी जीवनी शक्ति मिली है उसे हमारे जीवन में उतारना चाहिए।

संगोष्ठी के अध्यक्ष प्राचार्य श्रीयुत जतीन्द्र कुमार मिश्र जी ने प्रेमचंद के साथ फकीरमोहन सेनापती की तुलना करके अपने अध्यक्षीय अभिभाषण में दोनों को क्रमशः हिंदी व ओड़िआ साहित्य का सम्राट माना। अंत में संगोष्ठी सचिव सुश्री सुधांशुबाला बिराट ने धन्यवाद दिया।

अमूल्य रत्न महांति
12.12.2022.

चिनु दास
12.12.2022

Principal
D.K.N. College
Eranch, Cuttack
12.12.2022

वार्षिक संगोष्ठी - 2023

देवीकंदन निर्मलानंद महाविद्यालय, पुरंदल, कटक

दिनांक : 17.11.2023
हिंदी विभाग

विषय : प्रयोजनमूलक हिंदी की संभावनाएँ

डी. के. एन. कॉलेज, पुरंदल के हिंदी विभाग ने दिनांक 17.11.2023 को वार्षिक संगोष्ठी का आयोजन किया था। संगोष्ठी में विषय विशेषज्ञ के रूप में इमरती देवी महिला महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य व हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. अब्दुल उस्मान खान जी हमारे बीच थे। महाविद्यालय के प्राचार्य श्रीयुत पार्थेश्वर महापात्र जी ने प्रदीप प्रज्वलन कर संगोष्ठी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर विभाग की छात्रा ऐश्वलिन ने 'निराला' रचित सरस्वती वंदना का गान किया। हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अमूल्य रत्न महांति व अध्यापिका मिनु दास ने विषय विशेषज्ञ और ~~[illegible]~~ प्राचार्य जी का अंगवस्त्र और प्रतीक चिह्न देकर स्वागत किया।

विषय प्रवर्तन :

संगोष्ठी में विषय प्रवर्तन करते हुए विभागाध्यक्ष डॉ. अमूल्य रत्न महांति ने प्रयोजनमूलक हिंदी की असीम संभावनाओं पर प्रकाश डाला। उसे हिंदी अध्ययन करने वाले हर किसी के लिए रोजगार की कुंजी बताया।

प्रथम सत्र :

विषय विशेषज्ञ के रूप में संगोष्ठी में आये डॉ. अब्दुल उस्मान खान जी ने भूमंडलीकरण के दौर में प्रयोजनमूलक हिंदी की संभावनाओं को रेखांकित किया। इसे आज की आवश्यकता कहा। प्रयोजनमूलक हिंदी का रूप लेकर ही हिंदी निश्चित रूप से एक दिन राष्ट्रसंघ में पहुँचेगी, ऐसी उम्मीद जताई।

(3)

द्वितीय सत्र :

द्वितीय सत्र में अपना कथन रखते हुए अध्यापिका सुश्री चिनु दास जी ने हिंदी साहित्य के इस युग को प्रयोजनमूलक हिंदी का ही युग माना। उन्होंने इसके वैश्विक स्वरूप की विशालता से सभी को अवगत कराया।

प्रस्ताव :

प्रयोजनमूलक हिंदी की संभावनाओं पर केंद्रित इस संगोष्ठी में वक्ताओं ने निम्नलिखित प्रस्ताव रखे।

⇒ पाठ्यक्रम में प्रयोजनमूलक हिंदी को बढ़ावा मिलना चाहिए।

⇒ प्रयोजनमूलक हिंदी के साथ रोजगार की अपार संभावनाओं से छात्रों को अवगत कराया जाए।

⇒ प्रयोजनमूलक हिंदी को लेकर अधिक से अधिक गोष्ठियाँ की जाए।

संगोष्ठी के अध्यक्ष प्राचार्य श्रीयुत सर्वेश्वर महापात्र जी ने प्रयोजनमूलक हिंदी की संभावनाओं से बड़े आश्वस्त हुए और अपने अध्यक्षीय भाषण में विद्यार्थियों से हिंदी में टंकण सीखने की अपील की। अंत में संगोष्ठी सचिव सुश्री सुधांशुबाला बिराट ने सभी के प्रति विभाग की ओर से अपना आभार प्रकट किया।

अमूल्य रत्न महांति
२०-११-२३.

चिनु दास
20-11-23

Principal
D.K.N. College
Branch, Cuttack